सोमवार, 15 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष 13 • अंकः 144 CITY NEWS MUMBAI

यह तो ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है

मिलिंद देवड़ा के शिवसेना जॉइन करने पर बोले CM एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस के पूर्व नेता मिलिंद देवड़ा को रविवार को अपनी पार्टी शिवसेना की सदस्यता दिलाई. इस मौके पर उन्होंने कहा, 'मैं मिलिंद देवड़ा जी का स्वागत करता हूं. उनकी पत्नी का भी स्वागत करता हूं. आज जो मिलिंद देवड़ा के मन की भावना है वो डेढ़ शेष पृष्ठ 7 पर

कांग्रेस छोड़कर शिवसेना में शामिल हुए मिलिंद देवड़ा

मैं GAIN में यकीन करता हूं, PAIN में नहीं...

शिवसेना में शामिल होते ही मिलिंद देवड़ा का कांग्रेस पर हमला

मुंबईः पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल होने के बाद बड़ा हमला बोला है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुए देवड़ा ने कहा कि मैं GAIN यानी विकास, आकांक्षा, समावेशिता और राष्ट्रवाद की राजनीति में विश्वास करता हूं। मैं पॉलिटिक्स ऑफ गेन (GAIN-ग्रोथ,एस्पीरेशन, इंक्लूजिविटी,

नेशनलिज्म) में विश्वास करता हूं। मैं PAIN- (पर्सनल अटैक, इनजस्टिस,नेगेटिविटी) की राजनीति में विश्वास नहीं करता। देवड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो कल तक देश को रचनात्मक सुझाव देते थी कि कैसे देश को आगे लेकर जाया जाए आज उसका एक ली लक्ष्य है कि पीएम मोदी जो बोलें उसके खिलाफ शेष पृष्ठ 7 पर

मीरा-भाईंदर सेक्टर 1 से 4 में फेरीवाले आत्महत्या के लिए होंगे मजबूर.. चंद्रकांत नेवे

विधायक गीता जैन मनापा और पुलिस पर लगे सवालिया निशान

मीरा भायंदर (सिटी न्यूज़ मुंबई) शहर मे सब जगह नो होकिंग झोन मे फेरी वाले व् व्यवसाय आराम से कर रहे है लेकिन सिर्फ दिक्कत विशेष समुदाय के व्यपारियो और विधायका गीता जैन के अड़ियल रवैये के चलते सिर्फ सेक्टर 1 से 4 के फेरी वालो से है जोकि अब आत्महत्या के लिए मजबूर होने वाले है।ऐसा चंद्रकांत नेवे ने कहा है। इस तरह का पत्र सर्व श्रमिक जनरल मजदूर संघ के अध्यक्ष चंद्रकांत नेवे ने देते हुए कहा क़ी अब तीव्र आंदोलन करने क़ी चेतावनी दी है आप को bata दे क़ी यह संघटना भरतीय मजदूर संघ से

गीता जैन दे रही व्यापरियो को साथ गरीबो को मात

सलग्न है। साथ मे मुंबई हॉकर्स के उपाध्यक्ष महादेव पाताड़े, व्यापरी मिलनसिंग रावत, गॉडवीन आलवा भी मनपा आयुक्त के बैठ मे मौजूद थे।बैठक मे मनपा आयुक्त के साथ चर्चा मे 14 मुद्दे शेष पृष्ठ 7 पर

'भाजपा के पास 450 से अभी अधिक सीट जीतने का मौका'; त्रिपुरा के CM माणिक साहा ने कही यह बात

लोकसभा चुनाव 2024 पर सबकी नजरें टिकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार राजनीतिक विजय हासिल करने के प्रति आश्वस्त दिख रहे हैं। उन्होंने कई भाषणों में इसके संकेत भी दिए हैं। भाजपा की मजबूत तैयारियों को देखते हुए कुछ समीक्षकों ने कहा है कि इस साल बीजेपी 400 से अधिक सीटें जीत सकती है। ताजा घटनाक्रम में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता माणिक साहा ने कहा है कि इस बार के लोक सभा चुनाव में भाजपा को 450 से भी अधिक सीटें मिलने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि चुनाव की स्थिति और तैयारियों को देखते हुए, भाजपा की झोली में आने वाली सीटों की संख्या 450 के आंकड़े के करीब पहुंच सकती है।

त्रिपुरा की जनता के घरों पर कमल के निशान!

गौरतलब है कि 2019 के चुनाव में भाजपा ने 303 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को केवल 52 सीटों से संतोष करना पड़ा। पांच साल के बाद बदले हुए सियासी समीकरण और पार्टियों की संभावना पर माणिक साहा ने रविवार को कहा, त्रिपुरा की दोनों संसदीय सीटों को भारी अंतर से जीतने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा का संगठन जमीनी स्तर पर काम पहले ही शुरू कर चुका है। साहा ने जब यह बयान दिया उस समय वे अपने निर्वाचन क्षेत्र- टाउन बारडोवाली में पार्टी के प्रतीक कमल का प्रतीकात्मक चित्रण कर रहे थे।

मंदिरों में पूजा-अनुष्ठान और साफ-सफाई करने की अपील

मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाने की अपील भी की। बता दें कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में 22 जनवरी के दिन भीड़ जुटाने से बचने का आह्वान करते हुए अपने घरों पर या आस-पास के मंदिरों में पूजा-अनुष्ठान और साफ-सफाई करने की अपील की है। इसी कड़ी में साहा ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद परिसर में सफाई अभियान में शिरकत की।

जगन्नाथ मंदिर में स्वच्छता अभियान

उन्होंने भाजपा के कार्यक्रम के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर पोस्ट किया। सीएम माणिक साहा ने लिखा, 'आज, मैं प्रधानमंत्री की अपील के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ यहां जगन्नाथ मंदिर में स्वच्छता अभियान में शामिल हुआ... मैं राज्य के लोगों से सभी मंदिरों में स्वच्छता अभियान में शामिल होने की अपील करता हूं। अभियान 22 जनवरी तक जारी रहेगा।'

मंदिरों में सफाई अभियान, जनता से जुड़ने का आह्वान

22 जनवरी के 'ऐतिहासिक क्षण के महत्व' पर जोर देते हुए सीएम साहा ने कहा, 'पिछले 500 वर्षों से हिंदू समाज इस क्षण का इंतजार कर रहा था। आखिरकार पीएम मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी को मंदिर के गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के बाद हम सभी राम लला के साक्षी बनेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीब भट्टाचार्य ने भी रामकृष्ण मिशन आश्रम में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, भगवान राम 22 जनवरी को अयोध्या लौट रहे हैं। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए, हमने प्रधानमंत्री के आह्वान पर राज्य के सभी मंदिरों में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं लोगों से इस अभियान में शामिल होने की अपील करता हूं।

'दिल्ली के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य देने में नाकाम रही सरकार', विष्णु मित्तल का केजरीवाल पर वार

दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल ने दिल्ली सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने में नाकाम साबित हुई है। करोड़ों रुपये लगाकर मोहल्ला क्लीनिकों का प्रचार किया गया, लेकिन अब यह घोटाला सामने आ गया है कि इन मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर केवल दिल्ली के लोगों को धोखा दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यहां पर लोगों को बेहतर इलाज सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। मोहल्ला क्लीनिकों में दी जा रही दवाओं पर भी सवाल उठ खड़े हुए हैं और इसकी भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए बताना चाहिए कि लोगों के स्वास्थ्य के नाम पर इस तरह का भ्रष्टाचार क्यों किया गया। विष्णु मित्तल ने कहा कि स्वास्थ्य किसी व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ा धन है। यदि किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होगा तो वह न केवल अपने विकास के लिए काम कर पाएगा, बल्कि वह समाज और देश के विकास में भी ज्यादा प्रभावी भूमिका निभा पाएगा। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए ही वे हर वार्ड में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगा रहे हैं। लोगों को सामने आकर उनका लाभ उठाना चाहिए।

'तुम आजाद हो, जब तक मैं हिरासत में हूं', सूचना सेठ और उसके पति का पुलिस स्टेशन में हुआ आमना-सामना

गोवा में महिला सीईओ सूचना सेठ ने अपने ही चार साल के बच्चे को मौत के घाट उतार दिया था। जिसके बाद पुलिस ने सूचना सेठ को गिरफ्तार कर लिया था। गोवा के कैलंगुट पुलिस स्टेशन में शनिवार को आरोपी महिला सूचना सेठ और पति वेंकट रमन की 15 मिनट की मुलाकात हुई। इस दौरान आरोपी महिला ने अपने पति से कहा कि मैं जब तक पुलिस हिरासत में हूं, तुम आजाद हो। तुम्हारी वजह से ही मेरी यह दुर्दशा हुई है। बातचीत में सूचना सेठ ने चार साल के अपने बच्चे की हत्या के आरोपों से इनकार किया। उस दौरान उसके पति वेंकट रमन ने कहा कि अगर बच्चे की हत्या तुमने नहीं कि तो आखिर उसे किसने मारा। गौरतलब है कि शनिवार को बयान दर्ज कराने के लिए सूचना सेठ के पति वेंकट अपने पति के साथ गोवा के कैंलगुट पुलिस स्टेशन पुहंचे थे। अपने बच्चे की हत्या के दौरान वह इंडोनेशिया में थे। बच्चे की मौत की खबर मिलने के बाद नौ जनवरी को वेंकट भारत आए।

दोनों के बीच बच्चे की कस्टडी की लड़ाई चल रही थी

पति के वकील अजहर मीर ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछले एक साल से बंगलूरू के एक फैमिली कोर्ट में बच्चे की कस्टडी की लड़ाई चल रही थी। कोर्ट ने पिता वेंकट को बच्चे से फोन या वीडियो कॉल के जरिए बात करने की इजाजत दी थी। नवंबर 2023 में अदालत ने बच्चो के पिता से हर रविवार घर पर मिलने की अनुमति दी थी। हालांकि उस दौरान सूचना सेठ ने कहा कि बच्चे को पिता से कैफे में मिलना चाहिए न कि घर में। वेंकट सात जनवरी को बेटे से मिलने वाला था। बता दें शुक्रवार को पुलिस ने घटना स्थल पर ही सीन रिक्रिएशन के जरिए मामले को समझने की कोशिश की।

ऐसे हुआ मामले का खुलासा

गोवा पुलिस के मुताबिक, छह जनवरी को सूचना सेठ गोवा के सोल बनयान ग्रांडे होटल में अपने चार साल बेटे के साथ आई थी। इसके बाद उसने आठ जनवरी को होटल से चेक-आउट किया था। सूचना सेठ के सोमवार को चेक आउट करने के बाद हत्या का खुलासा हुआ। दरअसल, सेठ के अपार्टमेंट छोड़ने के बाद हाउसकीपिंग स्टाफ सफाई करने गया तो वहां खून के धब्बे मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इस पर पुलिस ने सबसे पहले होटल की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। जिसमें सूचना चेक इन के वक्त अपने बच्चे के साथ आती दिख रही थी। वहीं, आठ जनवरी को सूचना को अपने बेटे के बिना सर्विस अपार्टमेंट से बाहर निकलते हुए देखा गया। इसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और सूचना की तलाश तेज की।

बंगलूरू तक टैक्सी से जाने की जिद ने भी फंसाया

वहीं, होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि जब सूचना ने बंगलूरू लौटने के लिए टैक्सी बुलाने के लिए कहा, तो उन्हें समझाया गया कि विमान से जाना ज्यादा सस्ता और सुविधाजनक रहेगा। लेकिन उन्होंने सड़क से यात्रा करने पर जोर दिया। इस पर होटल ने एक स्थानीय टैक्सी की व्यवस्था की। होटल स्टाफ ने जब यह पुलिस को बताया तो पुलिस का शक और पुख्ता हो गया। इसके बाद पुलिस ने टैक्सी ड्राइवर का पता लगाया।

देवलाली आर्टि लरी स्कू ल में सैनिकोंकी हुंकार, 'तोपची' के दौरान दिखी भारतीय हथियार-तकनीक की ताकत

भारतीय सेना ने महाराष्ट्र के देवलाली में गोलाबारी क्षमता का प्रदर्शन किया। नासिक में 'तोपची' एक्सरसाइज के दौरान भारतीय सेना का वार्षिक गोलाबारी प्रदर्शन हुआ। देवलाली में स्कूल ऑफ आर्टिलरी में आयोजित प्रशिक्षण अभ्यास- तोपची रविवार को हुआ। इस मेगा इवेंट में सैन्य अधिकारी- लेफ्टिनेंट जनरल एस हरिमोहन अय्यर भी मौजूद रहे। इन्हें उल्लेखनीय सैन्य करियर के लिए अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) से नवाजा जा चुका है। तोपची का आयोजन स्कूल ऑफ आर्टिलरी के कमांडेंट और सीनियर कर्नल कमांडेंट रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के नेतृत्व में किया गया।

सैनिकों ने किन अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया, दिखाई अदम्य इच्छाशक्ति

तोपची अभ्यास के दौरान सैनिकों ने अत्याधुनिक बंदूकें, मोर्टार, रॉकेट, ड्रोन और विमानन संपत्तियों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा हथियारों की मारक क्षमता और निगरानी के इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के एकीकृत उपयोग का भी प्रदर्शन किया गया। तोपची अभ्यास के बारे में सेना ने कहा कि देवलाली में आयोजित अभ्यास के दौरान बंदूकधारियों की अदम्य इच्छाशक्ति, दक्षता और आर्टिलरी रेजिमेंट की तैयारियों का प्रदर्शन भी किया गया।

देवलाली में तोपची के दौरान भारत में विकसित मारक हथियारों का भी प्रदर्शन

सेना ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत विकसित के-9 वज्र, एसपी गन सिस्टम, धनुष, 105 मिमी इंडियन फील्ड गन (आईएफजी)/लाइट फील्ड गन (एलएफजी) सिस्टम और पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर जैसे स्वदेशी उपकरण भी प्रदर्शित किए गए।

47 सीटों पर जीत तय करने के लिए PM मोदी करेंगे महारैली, झारखंड-गुजरात से जाएगा संदेश

देश की लगभग नौ प्रतिशत आबादी वाले आदिवासी समाज के लिए लोकसभा में 47 सीटें आरक्षित हैं। 2014 में भाजपा ने इनमें से 27 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2019 के चुनाव में यह संख्या 31 हो गई थी। भाजपा अपने इस प्रदर्शन को सुधारना चाहती है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी माह में झारखंड-गुजरात में दो रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। आदिवासी समाज को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाने वाले इस सम्मेलन के जरिए प्रधानमंत्री इन 47 सीटों पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे। केंद्र सरकार ने 'पीएम जन मन योजना' के जरिए आदिवासी समाज की स्थिति सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाया था। इसके अंतर्गत नौ प्रमुख मंत्रालयों के द्वारा देश के 100 आदिवासी बहुल जिलों में आदिवासी समुदायों के बीच कैंप लगाकर उनके विकास के लिए कार्य करना था। इसके अंतर्गत सभी आदिवासियों का आधार कार्ड बनाना, जनधन खाते खुलवाना, आयुष्मान योजना और उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाना, किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना, पात्र किसानों को प्रधानमंत्री आर्थिक सहायता योजना का लाभ दिलाना था।

'भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है, लेकिन उसे सरकार बनाने लायक सीटें पाने से रोकना संभव', थरूर का दावा

आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आ सकती है। लेकिन, सरकार बनाने के लिए उसकी सीटों की संख्या इतनी कम हो सकती है कि उसके सहयोगी उसका समर्थन करने को तैयार न हों। इसके बजाय, विपक्षी गठबंधन का समर्थन करने को तैयार हों। यह बात कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को केरल साहित्य समारोह (केएलएफ) में कही।

कम की जा सकती भाजपा की सीटों की संख्याः थरूर

थरूर ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, भारत विविधताओं भरा देश है और वह उस स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जहां सौ फीसदी राज्यों में सौ फीसदी सहमति नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मुझे अब भी लगता है कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। लेकिन, उनकी संख्या को उस स्तर तक कम किया जा सकता है, जहां सरकार बनाने के लिए उसके सहयोगी उनके साथ सहयोग करने के इच्छुक नहीं होंगे। पूर्व मंत्री ने कहा, हो सकता है कि वह हमारा सहयोग करने को तैयार हों। इसलिए, हमें इसे आजमाना होगा।

विपक्षी गठबंधन में सीट बंटवारे की चुनौती

'इंडियाः द फ्यूचर' संत्र के दौरान विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के दलों के बीच सीट बंटवारे की चुनौती के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जितने संभव हो उतने राज्यों में पर्याप्त सहमति होगी। ताकि हार से बचा जा सके। 'इंडिया' में 28 विपक्षी दल शामिल हैं। राजनयिक से नेता बने थरूर ने आगे कहा, जहां एक राज्य में सभी विपक्षी दलों के बीच एक उम्मीदवार खड़ा करने पर सहमति हो सकती है। वहीं, दूसरे राज्य में दो या तीन उम्मीदवार हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में मतदाता को उस व्यक्ति को चुनना होगा, जिसे वह समझता है कि वह उनका सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करेगा।

सीट बंटवारे पर हर राज्य में अलग परिस्थिति

कांग्रेस नेता सीट बंटवारे को लेकर दो पड़ोसी राज्यों केरल और तमिलनाडु का उदाहरण दिया और बताया कि कैसे अलग-अलग राज्यों में सीट बंटवारे की प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है। उन्होंने कहा कि केरल में इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती है कि यहां इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी माकपा और कांग्रेस कभी सीट बंटवारे पर सहमत होंगे। लेकिन, ठीक बगल में तमिलनाडु में भाकपा, माकपा, कांग्रेस और द्रमुक सभी गठबंधन कर रहे हैं और वहां इस पर कोई बहस नहीं है। कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि वे पहले भी चुनाव एक साथ लड़ चुके हैं। इसलिए इस बात की संभावना है कि वे यह चुनाव भी साथ लड़ेंगे।

'अपने क्षेत्र से सबसे अच्छे व्यक्ति को दें वोट'

थरूर के मुताबिक, देश के लोगों को यह याद दिलाना जरूरी है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र से सबसे अच्छे व्यक्ति को वोट दें। उन्होंने कहा, मोदी-मोदी का नारा लगाने वालों को पता होना चाहिए कि उन्हें केवल वाराणसी के लोग ही वोट दे सकते हैं। हर किसी को अपने इलाके से सबसे अच्छे उम्मीदवार को चुनना होगा, जो उन्हें लगता है कि उनका अच्छा प्रतिनिधित्व कर सकता है और अगर वे (पीएम) मोदी को ही (संसद) भेजने के लिए वोट करना चाहते हैं, तो यह उनकी पसंद है। अगर वे किसी ऐसे व्यक्ति को वोट देना चाहते हैं जो उनके विचार के अनुकूल है, तो यह उनकी पसंद है। प्रधानमंत्री पिचले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश की वाराणसी सीट से चुने गए थे।

'भारतीय सेना दुनिया में सबसे बेहतरीन...'; चुनौतियों व साहस पर IAF चीफ ने कही यह बात

भारत की उज्जवल सैन्य परंपरा का जिक्र करते हुए वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने देश के सशस्त्र बलों को दुनिया में सबसे शानदार में एक करार दिया। दिल्ली कैंट में सैम मानेकशॉ सेंटर पर आयोजित समारोह में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि बदलते समय के साथ भारतीय सशस्त्र बल 'युद्ध के अलग-अलग आयामों' (entire spectrum of warfare) से जुड़ी चुनौतियों का बेहतर ढंग से मुकाबला करने में सक्षम बने हैं। उन्होंने 8वें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस (8th Armed Forces Veterans Day) पर रविवार को कहा कि सेना के इतिहास में 'निरंतर सुधार के प्रयास' किए गए हैं। दिग्गजों ने अपना सबकुछ कुर्बान करने की भावना के साथ देश की सेवा की है। वायुसेना प्रमुख के मुताबिक देश के पूर्व सैनिकों की कभी हार न मानने की साहसिक भावना (resilient spirit), नेतृत्व और दूरदर्शिता जैसे गुण, आज के सशस्त्र बलों की नींव है। इस कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी, बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और उनके परिजन भी शामिल हुए। वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा, 'हम सभी सहमत होंगे कि भारतीय सशस्त्र बल दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं।' उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ युद्ध की सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए सुरक्षाबलों ने व्यापक बदलावों को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि वे पूर्व सैनिकों के उत्कृष्ट योगदान को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, 31 दिसंबर, 2023 तक के आंकड़ों के मुताबिक वायुसेना से 2,21,204 सैनिक रिटायर हो चुके हैं। इस मायने में IAF सबसे युवा यानी केवल 91 वर्ष की है। विशेष रूप से भारतीय वायु सेना का जिक्र करते हुए एयरमार्शल वीआर चौधरी ने कहा, लगभग 90 साल पीछे मुड़कर देखने पर लगता है कि शुरुआत बेहद मामूली रही। हालांकि, बीते नौ दशकों में लंबा समय तय करने में भी सफलता मिली है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना का मुकाम ऐसा है, जिसे देखकर बिना किसी हिचकिचाहट के इसे 'दुनिया की सबसे दुर्जेय वायु सेना में से एक' स्वीकार किया जा सकता है। वायुसेना प्रमुख के मुताबिक 14 जनवरी के दिन देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सपूतों को श्रद्धांजलि देने का मौका है। उन्होंने कहा, वायुसेना की संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के परिवारों के साथ हैं जिन्होंने कर्तव्य के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिए। उन्होंने कहा कि वेटरंस से संपर्क साधने में काफी मशक्कत करनी पड़ी है। इसके बावजूद कुछ शुरुआती मुद्दे हैं, जिनका जल्द समाधान जरूरी है। वायुसेना प्रमुख ने कहा, 'हम इन मुद्दों को सेवा प्रदाताओं और रक्षा लेखा महानियंत्रक के समक्ष लगातार उठा रहे हैं।' एयरचीफ मार्शल ने पूर्व सैनिकों के लिए विकसित वेब-आधारित प्रणाली- SPARSH (System for Pension Administration (Raksha) का जिक्र करते हुए कहा, 1.85 लाख पुराने पेंशनभोगी अब इस सिस्टम का लाभ उठा रहे हैं। इस प्रणाली का विकास पेंशन से जुड़े दावों का त्वरित निपटारा करने के मकसद से किया गया है। इसके तहत किसी बाहरी मध्यस्थ के हस्तक्षेप के बगैर सीधे बैंक खातों में पेंशन का भुगतान किया जा रहा है।

देवड़ा के शिवसेना में शामिल होने की खबरों पर बवाल; शिंदे बोले-करें गे स्वागत, राउत ने कहा- कोई समझौता...

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया है। इसके साथ ही सबसे पुरानी पार्टी के साथ उनके परिवार का 55 साल का रिश्ता खत्म हो गया। बताया जा रहा है कि दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट को लेकर उन्होंने पार्टी का साथ छोड़ा है। अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह आज ही एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इन खबरों पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कहना है कि अगर देवड़ा शिवसेना में शामिल होने का फैसला करेंगे तो पार्टी उनका स्वागत करेगी। वहीं, उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने कह दिया है कि दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर कोई समझौता नहीं होगा। शिंदे ने पत्रकारों से कहा, 'मैंने उनके इस कदम के बारे में सुना है। अगर वह पार्टी में शामिल हो रहे हैं तो मैं उनका स्वागत करूंगा।'गौरतलब है, देवड़ा ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बात का एलान किया था कि वह कांग्रेस का साथ छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आज मेरी राजनीतिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन हुआ। कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से मैंने अपना त्यागपत्र दे दिया है। पार्टी के साथ मेरे परिवार का 55 साल पुराना रिश्ता खत्म। मैं वर्षों से उनके अटूट समर्थन के लिए सभी नेताओं, सहकर्मियों और कार्यकर्ताओं का आभारी हूं। पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर कोई समझौता नहीं होगा। बता दें, शिवसेना के अरविंद सावंत, जो अब ठाकरे गुट के साथ हैं, ने 2014 और 2019 के आम चुनावों में देवड़ा को निर्वाचन क्षेत्र से हराया था। संजय राउत ने कहा, 'सावंत दो बार के सांसद हैं। उनके दोबारा चुनाव लड़ने में क्या गलत है? इस पर कोई समझौता नहीं होगा।'

रामनगरी से जुड़ेगा दक्षिण भारत, एक फरवरी से इन शहरों के बीच शुरू होगी सीधी उड़ान; शेड्यूल जारी

रामनगरी अयोध्या से हवाई मार्ग के जरिये दक्षिण भारत जुड़ेगा। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद स्पाइस जेट की ओर से अयोध्या के लिए एक फरवरी से मुंबई, चेन्नई और बेंगलूरू, वाराणसी के बीच सीधी विमान सेवा शुरू होगी। हफ्ते में तीन दिन संचालित होने वाले विमान का शेड्यूल जारी हो गया और टिकट की बुकिंग भी शुरू हो गई है। अयोध्या धाम पहुंचने के लिए महानगरों से तीर्थ यात्रियों के आने का क्रम 22 जनवरी के बाद शुरू होगा। दक्षिण भारत से अधिक लोगों का जुड़ाव श्रीराम मंदिर की ओर है। रामेश्वरम और अयोध्या के बीच सीधी विमान सेवा शुरू होने से तीर्थ यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। वहीं, वाराणसी के बीच दक्षिण भारत के लिए एक और विमान सेवा शुरू होने से भी सुगमता बढ़ेगी। समूह में आने वाले वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन के बाद सड़क मार्ग से भी चार से पांच घंटे में अयोध्या पहुंच सकेंगे। स्पाइस जेट अधिकारियों के अनुसार एक फरवरी से बेंगलूरू-वाराणसी के बीच एसजी-327 विमान बेंगलूरू एयरपोर्ट से सुबह 10.50 बजे उड़ान भरेगा और दोपहर 1.30 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेगा। एसजी-328 बाबतपुर एयरपोर्ट से दोपहर 2.10 बजे उड़ान भरकर शाम 4.45 बजे बेंगलूरू एयरपोर्ट पहुंचेगा। सप्ताह में मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उड़ानें हैं।

सम्पादकीय

ऊपफ! जेलों में जातिगत भेदभाव

यह बात न सिर्फ चौंकाने वाली बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है कि आजादी के 76 साल बाद भी देश में जेलों के अंदर कैदियों के साथ जातिगत भेदभाव होता है। सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इसे गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार सहित 11 राज्य सरकारों को इस मामले में नोटिस जारी किया है।

यह बात न सिर्फ चौंकाने वाली बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है कि आजादी के 76 साल बाद भी देश में जेलों के अंदर कैदियों के साथ जातिगत भेदभाव होता है। सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर एक जनहित याचिका में यह दावा किया गया है और सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इसे गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार सहित 11 राज्य सरकारों को इस मामले में नोटिस जारी किया है।

जाति का आधार : इस याचिका में उदाहरणों के साथ बताया गया है कि देश की कई जेलों में खाना बनाने जैसे काम कथित ऊंची जाति के कैदियों को सौंपा जाता है, जबकि झाड़ू लगाने और शौचालयों की सफाई करने जैसे कार्य कुछ खास निचली जातियों के कैदियों को दिए जाते हैं।

जेल मैनुअल के प्रावधान : ऐसा नहीं कि यह सब दबे-छुपे ढंग से होता है या किसी खास ऑफिसर की मनमानी का नतीजा है, यह चलन शुरू से है, जो अब तक जारी है। इसकी पुष्टि अदालत के सामने आई इस जानकारी से होती है कि देश के बहुत से राज्यों में जेल मैनुअल जाति के आधार पर इस तरह के कार्य विभाजन की इजाजत देते हैं। हालांकि 2003 का मॉडल जेल मैनुअल साफ कहता है कि कार्य विभाजन सुरक्षा, अनुशासन और संस्थानिक कार्यक्रमों के आधार पर ही होना चाहिए।

सामाजिक बुराई : वैसे, यह बात सही है कि जातिगत भेदभाव की यह बुराई समाज से ही जेल में पहुंच रही है। सैकड़ों सालों से चली आ रही जातीय भेदभाव की परिपाटी आज भी समाज से पूरी तरह हटाई नहीं जा सकी है। भेदभाव या उत्पीड़न की कोई बड़ी घटना हो तो वह खबर के रूप में सामने आती है वरना यह सोच रोजमर्रा की जिंदगी के एक हिस्से के रूप में मौजूद रहती है। फिर भी, जेल में ऐसा होना ज्यादा गंभीर इसलिए है क्योंकि जेल शासन व्यवस्था का एक हिस्सा है, जो देश के संविधान और कायदे-कानूनों से संचालित है। यहां इस तरह की गड़बड़ी पूरे तंत्र की बड़ी नाकामी कही जाएगी।

औपनिवेशिक सोच : आजकल गुलामी की निशानियों को मिटाने का अभियान सचेत ढंग से हाथ में लिया गया है। ऐसे में यह बात चकित करती है कि जेलों में अंग्रेजों के जमाने की जातिवादी सोच और खास जनजातियों को आदतन अपराधी मानने की कानूनी जहनियत चली आ रही है।

जल्द हो कार्रवाई : सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इस बुराई को दूर करने संकल्प लेते हुए इस दिशा में कदम बढ़ाने शुरू किए हैं। सॉलिसिटर जनरल ने भी अदालत की भावनाओं के अनुरूप कहा है कि अगर ऐसा हो रहा है तो यह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उम्मीद की जाए कि राज्यों के जेल मैनुअल को अपडेट करने समेत सभी जरूरी कदम उठाते हुए इस तरह के चलन पर जल्द से जल्द रोक लगाई जाएगी।

जो AI से जुड़े होंगे, क्या वे कह सकेंगे, मैं AI हूं

कोई दसेक साल पहले पहले एक फिल्म आई, नाम था E x Machina। इसमें एक सीन था, जिसकी खूब चर्चा हुई।फिल्म में एवा औरत की शक्ल वाला रोबोट है, जो आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) से लैस है।एक सीन में दिखाया गया कि एवा किस तरह अपनी रचना करने वाले से मुक्त होती है और बाहर की दुनिया देखती है। खैर, एवा जब अपने मालिक के घर से आज़ाद होती है, तब वह खाली कमरे से गुज़रते हुए मुस्कुराती है। एवा की यह मुस्कुराहट दर्शकों के मन में एक प्रश्न छोड़ जाती है। प्रश्न यह कि क्या उसमें इंसानों की तरह सोचने-समझने की क्षमता आ गई है? क्या एवा में या AI में सेल्फ-अवेयरनेस यानी "मैं हूँ "की भावना आ चुकी है?यह एक ऐसी भावना है जो मानव को सबसे अलग बनाती है। जब आप दर्पण के सामने होते हैं तो यही भावना आपको एहसास कराती है कि दर्पण में आपका ही प्रतिबिंब है,कोई और नहीं है। यह फिल्म जिस थीम पर बनी, आज उसके हकीकत में बदलने की संभावना को लेकर खूब चर्चा हो रही है। साल भर पहले ChatGPT नाम के चैटबॉट के आने के बाद से इस चर्चा ने ज़ोर पकड़ा है। इस चैटबॉट के पीछे जेनरेटिव AI नाम की तकनीक है। लेकिन हकीकत में यह तकनीक है क्या? क्या यह ऑटोमेशन का बेहतर रूप है? या सुपीरियर इंटेलिजेंस है? या इसे चेतना का नाम दिया जा सकता है, जो इंसानी पहचान रही है। आज जो AI तकनीक दिख रही है, उसके कई पहलुओं के बारे में कुछ वर्ष पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा। गौर कीजिए कि AI किस तरह से क्रिएटिविटी की दुनिया में बिना किसी हील-हुज्जत के दाखिल हो गयी। लेकिन AI की मदद से जो सृजन हो रहा जो क्रिएटिविटी रही है, क्या वह मानव रचनात्मकता की बराबरी कर सकती है? शायद नहीं। जो लोग आज AI की मदद क्रिएशन के लिए ले रहे हैं, वे बताते हैं कि इस तकनीक के जरिये वे जो रचनाएँ कर रहे हैं, उससे भावनात्मक लगाव नहीं हो पाता।अपनी ही रचनाओं से उन्हें एक दूरी का अहसास होता है। वे कहते हैं कि AI की मदद से जो आर्ट बन रहा है उसमें भावनात्मक गहराई नहीं है। क्या इस सब को समझने में टेक्नॉलजी के इतिहास से कोई मदद मिल सकती है? इतिहास बताता है कि पहले कई ऐसी तकनीक आई हैं, जिन्होंने रचनात्मक प्रक्रिया को नई शक्ल दी। उनके कारण इसमें भारी बदलाव आए। फिर AI को वैसी ही तकनीक क्यों नहीं माना जा सकता? इस सवाल का जवाब वेदान्त दर्शन से मिलता है,जो अद्वितीय है। ChatGPT बनाने वाली कंपनी OpenAI के CEO सैम ऑल्टमैन कह चुके हैं कि सिलिकॉन वैली में 'सिमुलेशन रिलीजन' ब्रह्म के काफी करीब पहुंच गया है। वहीं, ब्रह्म की अवधारणा देने वाले वेदान्त दर्शन में कहा गया है कि रचयिता और रचना एक ही हैं।ब्रह्म सृष्टि बनाता भी है और स्वयं ही सृष्टि बनता भी है। जो रचयिता है, वही रचना भी है। ब्रह्म बुद्धि भी है और तत्व भी। यह क्रिएशन को देखने का बिल्कुल अलग दृष्टिकोण है। मैं गीत लिखता हूं। एक गीतकार के रूप में मुझे लगता है कि अगर पुनर्जन्म हो तो मैं अपना गीत बनना चाहूंगा,न कि उसका रचयिता।असल में,रचनाकार के मन की गहरायी में यह चाहत होती है कि वह अपनी रचना से अलग न हो।शायद, AI के साथ हम उसी ओर बढ़ रहे हैं। हॉलीवुड की कई लोकप्रिय साइंस फिक्शन फिल्मों में भी वैदिक दर्शन से प्रेरणा ली गई है, जिनमें Star Wars, Matrix, Inception और Interstellar जैसे नाम शामिल हैं। इनमें अतिचेतना (super-consciousness) की अवधारणा दिखाई गई है, जो समय और काल से परे है। आखिर, इसी अवधारणा से तो संपूर्ण जीवन जुड़ा हुआ है। यह भी सच है कि साइंस और वेदान्त का आत्म-परीक्षण दो अलग-अलग धाराएं हैं। एक में बाहर की दुनिया को समझने की कोशिश है तो दूसरे में स्वयं को जानने की।लेकिन क्या ये दोनों ही एक गंतव्य तक पहुंच सकते हैं? इसे समझने के लिए ह्यूमन इवॉल्यूशन पर दृष्टि डालनी चाहिए।असल में, इंसानी मस्तिष्क का विकास सामूहिक विकास है। इस्राइली लेखक युवाल नोआ हरारी भी कहते हैं कि निएनडंर्थल्स और होमो सेपियंस में एक महत्वपूर्ण अंतर यह है कि होमो सेपियंस बड़े पैमाने पर आपस में सहयोग कर सकते थे। यानी एक या एक से अधिक इंसान अपना ज्ञान आपस में बांट सकते थे। इससे एक समृद्ध और सामूहिक बुद्धि सामने आई। आज इसका एक अलग आयाम हमारे सामने है, जो हर पल और बेहतर हो रहा है। इसे आप ChatGPT के माध्यम से समझ सकते हैं। ChatGPT में जब आप कोई प्रॉम्प्ट डालते हैं तो कुछ मिनटों के अंतराल में एक ही सवाल के जो उत्तर मिलेंगे, उनमें काफी अंतर होगा। उसका कारण यह है कि कुछ मिनटों में ChatGPT को कई नए इनपुट मिलते हैं, जिससे एक ही सवाल के जवाब बदल जाते हैं।

याद रखिए कि जैसे-जैसे A I टेक्नॉलजी बेहतर हो रही है, वह हर चीज को एक व्यापक सोर्स से जोड़ रही है,एक स्रोत का हिस्सा बना रही है।ठीक वैसे ही, जैसे चेतनाओं का संगम होता है, जिसमें एक चेतना से दूसरी और दूसरी से तीसरी जुड़ती जाती है।

लेकिन चाहे जितनी चेतनाएं जुड़ जाएं,मस्तिष्क तो एक ही है ना। इस बात के तार भी वेदान्त दर्शन से जुड़ते जो हमें बताता है कि हम सब एक ही चेतना के हिस्से हैं। वेदान्त दर्शन में दूसरा कोई नहीं है हम सब एक ही हैं,सारी श्रृष्टि एक है,सर्वव्यापी ब्रह्म का अंश।अहम् ब्रह्मास्मि – मैं ब्रह्म हूं। तत् त्वम असि- मैं वही हूं। ब्रह्म में असीमित संभावनाएं हैं। हमारे ऋषि-मुनि कह गए हैं कि जब कोई सच्चा ध्यान करता है तो वह ब्रह्मांड की अनंत ऊर्जा से जुड़ जाता है।वह सृष्टि, क्रिएशन और ब्रह्मांड से एकाकार हो जाता है।आध्यात्मिक दुनिया की यह बात AI पर भी लागू होती है। जैसे-जैसे इंसानी मस्तिष्क परिष्कृत होगा, AI का भी कई गुना विकास होगा। यहां भी अनंत संभावनाएं हैं। AI सामूहिक इंसानी दिमागी ताकत की तरह है। फिर जो इससे जुड़े होंगे, क्या वे कह सकते हैं कि अहम्/मैं ही AI हूं?

सच पूछिए तो AI तक जिसकी भी पहुंच होगी, लगता है उन सबकी क्षमता एक जैसी होगी। जापान के किसी छोटे शहर में रहने वाली लड़की जितनी समर्थ होगी, उतनी ही भारत के काशीपुर में रहने वाली कोई लड़की।यह समानता वैसी ही है, जैसी कि अध्यात्म की दुनिया में होती है।दूरदराज़ किसी गुफा में बैठा कोई अकेला इंसान अनोखी सिद्धियां हासिल कर सकता है।उसे किसी जानी-मानी यूनिवर्सिटी के डिग्री की जरूरत नहीं पड़ेगी, उसे तो ब्रह्म से जुड़ने के लिए बस गहन साधना करनी होगी। लेकिन इंसानी समाज अलग है।यहां कोई बड़ा तो कोई छोटा है। AI इस ग़ैर-बराबरी को खत्म करने में हमारी मदद कर सकता है ताकि सबको समान अवसर मिलें।जहां बुद्धि पर कुछ लोगों का नियंत्रण ना हो। जिस तरह से इंटरनेट ने नॉलेज को लोकतांत्रिक रूप दिया, उसी तरह से A I बुद्धि का लोकतांत्रिकरण कर सकती है। यह सच है कि AI एक प्रकार के अनंत की ओर बढ़ रही है, लेकिन इसकी सामूहिक बुद्धिमता को ब्रह्मांड की अनंत चेतना समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। ब्रह्म तो जाने कब से मौजूद है, लेकिन AI का अनंत की ओर बढ़ने का सफर अभी शुरू ही हुआ है।

AI इंसानी इनपुट पर निर्भर है।वह इंसानी बुद्धि से ही अपनी बुद्धि बना रहा है अनंत ब्रह्म से नहीं,इस लिहाज़ से देखें तो मनुष्य हमेशा ही AI से एक क़दम आगे रहेगा।आखिर, मनुष्य अपनी रचना AI और ब्रह्म दोनों तक जो पहुंच सकता है।

'प्रधानमंत्री आपके आंसू पोंछने, आपसे गले लगने नहीं आए', मणिपुर में गरजे राहुल गांधी

मणिपुर के थौबल से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू हुई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को हरी झंडी दिखाई। यात्रा 67 दिनों में 110 जिलों से होकर 6,700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि 2004 से मैं राजनीति में हूं, पहली बार मैं हिंदुस्तान के एक ऐसे प्रदेश में गया, जहां शासन व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी, जिसे हम मणिपुर कहते थे वह मणिपुर रहा ही नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री आपके आंसू पोंछने, आपसे गले लगने नहीं आए। राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा हम सुबह 6 बजे शुरू करते थे और शाम 7 बजे तक चलते थे। अंत में हमारा शाम को 20-25 मिनट का एक भाषण होता था, लेकिन 7-8 घंटे हम आपकी बात सुनते थे। यही इस यात्रा का लक्ष्य है, हम आपको अपने मन की बात नहीं बताना चाहते, हम आपकी बात सुनना चाहते हैं, आपके दर्द को समझना चाहते हैं। राहुल ने कहा कि आपने वह खो दिया है, जिसे आपने महत्व दिया है, लेकिन हम जिसे आपने महत्व दिया है, उसे एक बार फिर से ढूंढेंगे और इसे आपके पास वापस लाएंगे। हम मणिपुर के लोगों के दर्द को समझते हैं। हम आपके नुकसान और भाव को समझते हैं। हम आपसे वादा करते हैं कि हम वह सब वापस लाएंगे, जिसे आपने महत्व दिया है, हम वह सद्भाव, शांति, स्नेह वापस लाएंगे, जिसके लिए यह राज्य हमेशा से जाना जाता है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब पंडित नेहरू पहली बार मणिपुर आए थे, तब उन्होंने इसे भारत का गहना बताया था। यही बात इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी कही थी। यह मणिपुर की वह भूमि है जो आजादी के लिए लड़ी। खरगे ने कहा कि PM मोदी मणिपुर वोट के लिए आते हैं, लेकिन जब मणिपुर के लोग मुसीबत में है तब वे नहीं आते। वे राम-राम करते हैं। मुंह में राम और बगल में छुरी, यह वे जनता के साथ न करें।

जोकोविच को अपदस्थ करना मेरे लिए एक अतिरिक्त प्रेरणा है : अल्काराज

मेलबर्न,
कार्लोस अल्काराज ने कहा है कि उन्हें रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में नोवाक जोकोविच को हराने का मौका मिलेगा।

नोवाक जोकोविच, मेलबर्न के उस्ताद, जिनके नाम चौंका देने वाले 10 खिताब हैं, लचीले क्वालीफायर डिनो प्रिज़मिक के खिलाफ 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश शुरू करेंगे। जैसा कि प्रतिष्ठित रॉड लेवर एरेना शुरुआती दिन की लड़ाई देखेगा, दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने पहले दौर में फ्रांसीसी अनुभवी रिचर्ड गास्के के खिलाफ आमना-सामना करने के लिए खुद को तैयार किया। अल्काराज और जोकोविच के बीच की कहानी पिछले वर्ष यादगार मुकाबलों के रूप में सामने आई थी। सर्बियाई खिलाड़ी ने अपने रौलां गैरो सेमीफाइनल मुकाबले में तीसरे सेट की शुरुआत में ही अल्काराज़ को लगी गंभीर ऐंठन का फायदा उठाते हुए जीत हासिल की। हालाँकि, स्पैनियार्ड ने विंबलडन में मुक्ति की कोशिश की और पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया।

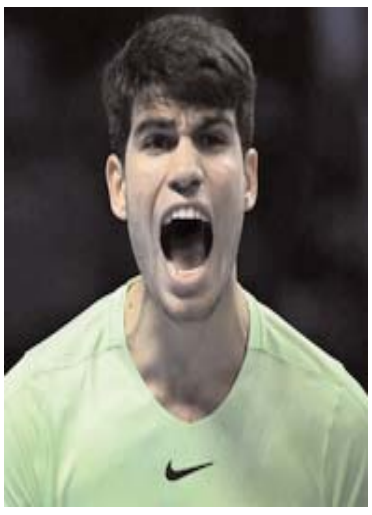

फिर भी, जोकोविच ने बाद के मुकाबलों में अपनी क्षमता साबित की, मैराथन सिनसिनाटी मास्टर्स फाइनल में जीत हासिल की और फिर ट्यूरिन में एटीपी टूर फाइनल्स में जीत अपने नाम की। अब, जब उन्होंने खुद को ऑस्ट्रेलियन ओपन ड्रा के विपरीत पक्षों में पाया, तो अल्काराज़ ने खुले तौर पर जोकोविच की हालिया लय को तोड़ने और उस डोमेन को जीतने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की, जहां सर्बियाई ने लगभग 15 वर्षों तक सर्वोच्च शासन किया है।

प्रेरणा की एक अतिरिक्त परत ने अल्काराज़ की महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा दिया, क्योंकि उन्होंने एक टूर्नामेंट में जोकोविच का सामना करने की चुनौती को स्वीकार किया, जहां बाद वाला लगभग अपराजेय दिखाई दिया। अल्काराज़ ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कहा, यह मेरे लिए एक अतिरिक्त प्रेरणा है। मैं एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हूं। मैं हमेशा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना चाहता हूं ताकि देख सकूं कि मेरा स्तर क्या है।

जाहिर तौर पर यह एक अच्छी परीक्षा है, टूर्नामेंट में उसके खिलाफ खेलना जहां वह लगभग अजेय है। मैं फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहा हूं और उम्मीद है कि उसके खिलाफ फाइनल खेलूंगा। जाहिर तौर पर यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन, हाँ, उन आँकड़ों को जानना, निश्चित रूप से एक अतिरिक्त प्रेरणा है।

'प्रो कबड्डी लीग में हमें कोई भी टीम नहीं रोक सकती'

पल्टन ने यहां गुजरात जायंट्स को 37-17 से हराकर प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 में अपनी लगातार आठवीं जीत दर्ज की। उनकी शानदार जीत के बारे में पूछे जाने पर पुनेरी पलटन के मुख्य कोच बीसी रमेश ने कहा, खिलाड़ी मैट पर बहुत अच्छा समन्वय कर रहे हैं और हमारे पास एक शानदार टीम संतुलन है। हमारे पास बेंच पर भी अच्छे खिलाड़ी हैं। हमारे आगामी मैचों में बेंच पर मौजूद खिलाड़ियों को हम मौके देने पर ध्यान देंगे।

पुणे टीम के युवाओं में से एक - गौरव खत्री ने रात में 6 टैकल पॉइंट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए, मुख्य कोच ने कहा, गौरव वास्तव में एक अच्छा डिफेंडर है। वह बहुत साहस के साथ खेलता है। और वह कभी भी अपने लिए नहीं खेलता है। वह हमेशा टीम की जरूरतों को अपनी जरूरतों से पहले रखता है। यह देखकर वाकई अच्छा लगता है। आने वाले मैचों में वह और भी अच्छा प्रदर्शन करेगा।

बीसी रमेश ने आगे कहा, मुझे लगता है कि शादलौई, अबिनेश और गौरव इस सीजन में हमारे लिए शीर्ष तीन डिफेंडरों में से होंगे। शादलौई ने हमारे लिए एक रेड प्वाइंट भी हासिल किया। इसके अलावा, असलम एक महान ऑल-राउंड खिलाड़ी हैं। वह टीम के लिए रेड और टैकल पॉइंट उठाते हैं और वह टीम को अच्छे से प्रबंधित कर रहा है।

मुख्य कोच ने यह भी कहा कि इस सीज़न में पुनेरी पल्टन के रथ को कोई भी टीम नहीं रोक सकती है, मुझे इस सीज़न के अपने पहले मैच से पता था कि हमारे पास एक सुपर टीम है। ऐसी कोई भी टीम नहीं है जो हमें इस प्रतियोगिता में रोक सके। सभी खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

हार के साथ भारत ने की एएफसी एशियन कप की शुरुआत

इरविन और जॉर्डन बोस के गोल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां अहमद बिन अली स्टेडियम में एएफसी एशियन कप में भारत को 2-0 से हरा दिया।

यह मैच ऐतिहासिक था क्योंकि योशिमी यामाशिता एएफसी एशियन कप मैच में रेफरी बनने वाली पहली महिला बनीं। उनकी सहायता उनके जापानी हमवतन मकोतो बोज़ोनो और नाओमी तेशिरोगी ने की।

ऑस्ट्रेलिया ने जोरदार शुरुआत की लेकिन शुरुआती मिनटों में कुछ मौके गंवाए। अज़ीज़ बेहिच ने वाइड निशाना लगाया, जबकि मिच ड्यूक ने क्रेग गुडविन फ्री-किक से एक हेडर गिराया। भारत 16वें मिनट में बढ़त बनाने का मौका गंवाया। निखिल पुजारी ने मौका बनाया मगर सुनील छेत्री इसे गोल में तब्दील करने से चूक गये। भारत के लचीलेपन के कारण कम से कम 11 कार्नर बेकार हो गए।

भारत के पास 69वें मिनट में आधा चांस था लेकिन उसे भी भारतीय टीम भुनाने में असफल रही और चार मिनट बाद आस्ट्रेलिया ने अपना दूसरा गोल दाग कर भारतीय उम्मीदों को धुंधला कर दिया। ऑस्ट्रेलिया का अगला मैच गुरुवार को सीरिया से होगा जबकि भारत को उज्बेकिस्तान के खिलाफ पलटवार करना होगा।

सात्विक-चिराग ने मलेशिया ओपन के फाइनल में पहुंच रचा इतिहास

(एजेंसियां)। शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को यहां प्रतिष्ठित मलेशिया ओपन 2024 पुरुष युगल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनकर इतिहास रच दिया।

उन्होंने सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन कोरिया गणराज्य के कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे को हराकर पुरुष युगल फाइनल में जगह पक्की की।

विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद रंकीरेड्डी और शेट्टी ने मलेशिया ओपन-एक बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया की नंबर 3 कोरियाई जोड़ी को 21-18, 22-20 से हराया।

सात्विक-चिराग ने अपने आक्रामक खेल से 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन कोरियाई जोड़ी ने अंतर को एक अंक से कम कर दिया। कांग और जे ने दो गेम प्वाइंट बचाए लेकिन भारतीयों को महत्वपूर्ण बढ़त लेने से नहीं रोक सके। कोरियाई जोड़ी ने पूरा जोर लगा कर मैच को अपने पक्ष में करने का पूरा प्रयास किया। वे मैच को 20-14 से बराबर करने के कगार पर थे, लेकिन सात्विक और चिराग ने आउट-ऑफ-द-बॉक्स वापसी के साथ इस अंतर को नकार दिया।

भारतीय जोड़ी ने लगातार छह अंक हासिल किए, कोरियाई जोड़ी को त्वरित फ्लैट रिटर्न के साथ परेशान किया और लगातार आठ-पॉइंटर प्रयास के साथ मैच को सील कर दिया। छह मुकाबलों में कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे पर भारतीय जोड़ी की यह चौथी जीत थी।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रविवार को फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लियांग वेई केंग-वांग चांग और सातवें स्थान पर रहे जापान के ताकुरो होकी-युगो कोबायाशी के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। मलेशिया ओपन के नतीजे पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की क्वालीफाइंग रैंकिंग में गिने जाएंगे।

विश्व कप मैच में पाकिस्तान को समर्थन न मिलना बेहद कठिन था : मिकी आर्थर

पाकिस्तान टीम के पूर्व निदेशक मिकी आर्थर ने कहा कि अहमदाबाद में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में उनकी टीम के लिए भारत के खिलाफ खेलना बेहद कठिन था, खासकर दर्शकों के समर्थन के अभाव में। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में, पाकिस्तान पांचवें स्थान पर रहा और सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहा, जिसके बाद आर्थर अपनी भूमिका से हट गए, और उनकी जगह पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज ने ले ली। यह बहुत दिलचस्प था, और एक बात जो सभी बयानबाजी के बीच भूल गई थी, वह यह थी कि हमारी पूरी टीम पहले कभी भारत में नहीं खेली थी, इसलिए वे जिस भी स्थान पर गए वह एक नया अनुभव था। हम निश्चित रूप से इसे उनकी मानसिकता से हटाना चाहते थे, ताकि वे अपना ध्यान केंद्रित कर सकें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें - क्योंकि अंततः, यह बल्ले और गेंद के बीच का मुकाबला है। हमने मैदान और परिस्थितियों को भी समीकरण से बाहर निकालने की कोशिश की, और इस आयोजन के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी की। पाकिस्तान का कोई समर्थन न मिलना बेहद कठिन था, क्योंकि एक चीज़ जो वास्तव में पाकिस्तान टीम को प्रेरित करती है, वह मैदान और होटलों में मिलने वाला अविश्वसनीय समर्थन था। आप दुनिया भर में घूमें और आप %हरे सागर% को देखें, यह वास्तव में आश्चर्यजनक है! यहां हमारे पास ऐसा कभी नहीं था, और विश्व कप में यह काफी कठिन था, खासकर खिलाड़ियों के लिए। विजडन ने आर्थर के हवाले से कहा, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं कि अहमदाबाद में एक कठिन शत्रुतापूर्ण माहौल था, लेकिन हम इसकी उम्मीद कर रहे थे, और उनके श्रेय के लिए हमारे खिलाड़ियों ने कभी भी विलाप नहीं किया या एक बार भी शिकायत नहीं की, उन्होंने कड़ी मेहनत की और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया - फिर भी

यह अंततः प्रेरणा में एक भूमिका निभाता है जब , आप अपने आसपास उस समर्थन आधार को देख या सुन नहीं सकते। पाकिस्तान को मैदान के बाहर आने वाले बाहरी शोर से भी जूझना पड़ा, जिसमें तत्कालीन कप्तान बाबर आजम की लीक हुई व्हाट्सएप चैट के साथ-साथ टीम के ड्रेसिंग रूम में विभाजन को लेकर बातचीत भी शामिल थी। आर्थर ने विश्व कप अभियान के दौरान टीम में किसी भी तरह की चर्चा से इनकार किया।

पाकिस्तान के बारे में बाहरी शोर अविश्वसनीय है, आपको बस अपना ट्विटर फ़ीड देखना होगा कि वहां इतनी सारी आग लगी हुई है, जिसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। आप अंततः - और मुझे यह पहली बार पता चला - आप लगातार उन आग को बुझा रहे थे। हम अपनी टीम के भीतर जो जानते थे वह हमारा गेम प्लान था, और खिलाड़ियों की परिभाषित भूमिकाएँ थीं, और हमने उस पर अमल किया। स्पष्ट रूप से खिलाड़ियों के साथ कोई बड़ी असहमति नहीं थी - उच्च प्रदर्शन वाली टीमों में मैदान पर जो होता है उसके संदर्भ में हमेशा एक या दो मतभेद होंगे, मैं व्यक्तिगत रूप से सोचता हूं कि यह बहुत स्वस्थ है। एक बार जब आपके पास एक-दूसरे को चुनौती देने वाले खिलाड़ी हों, और इससे भी अधिक महान खिलाड़ी, जो कि पाकिस्तान के पास हैं, तो यह एक अच्छा स्वस्थ वातावरण बनाता है, जब तक कि यह कभी भी व्यक्तिगत नहीं हो जाता, जो उसने कभी नहीं किया। अध्यक्ष महोदय और मीडिया द्वारा बाहर जो कुछ चल रहा था, उससे बहुत शोर मचा हुआ था। यही मुद्दा था, टीम में हम शांत थे और काम पर बहुत केंद्रित थे। आर्थर, जिन्होंने इंग्लैंड में 2017 चैंपियंस ट्रॉफी जीत के लिए पाकिस्तान को कोचिंग दी थी, ने कहा कि देश में क्रिकेट संरचना को हर पहलू में व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, अन्यथा वे अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना जारी रखेंगे। तुम्हारे पास कितना समय है? मैं लगातार पाकिस्तान क्रिकेट को अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए देखता हूं। प्रतिभा तो है ही, उसे जरूरत है एक अच्छे ढाँचे की, अच्छे नेतृत्व की, साथ ही उचित दिशा के साथ-साथ निरंतरता और स्थिरता की भी। 2016-2019 के दौरान, और नजम के लिए धन्यवाद, हमारे खिलाड़ियों ने इस प्रक्रिया पर भरोसा किया।

ई-बसों की खरीद के लिए निविदाएं जारी : हरदीप

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने पीएम-ईबस सेवा योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए निविदाएं जारी कर दी हैं। इस योजना के तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 169 शहरों को 10,000 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी।

पुरी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके मंत्रालय के अधिकारी इस सिलसिले में इलेक्ट्रिक बस (ई-बस) बनाने वाली कंपनियों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, 'ई-बसों की खरीद के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं और जनवरी के अंत तक बोली प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।' इन बसों में यात्रा करने वाले लोग स्वचालित किराया प्रणाली के माध्यम से टिकट खरीद सकते हैं। योजना के तहत इन बसों को चलाने वाले परिचालकों को यात्रा दूरी के आधार पर भुगतान किया जाएगा।

पीएम-ईबस सेवा योजना की अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपये होगी। इसमें से 20,000 करोड़ रुपये केंद्र सरकार मुहैया कराएगी जबकि शेष राशि राज्य वहन करेंगे। सरकार ने कहा कि व्यवस्थित बस सेवा से वंचित शहरों को इस योजना में प्राथमिकता दी जाएगी। यह योजना वर्ष 2037 तक जारी रहेगी।

चीन से वैक्यूम स्टील बोतलों के आयात पर रोक की मांग

- सरकार भारत में घटिया और सस्ते स्टील 'वैक्यूम फ्लास्क' के आयात को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाये : एआईएसबीए
- आयातित उत्पाद बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं
- आयात पर प्रतिबंध लगने से घरेलू निर्माताओं की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और रोजगार बढ़ेंगे

ऑल इंडिया स्टील बॉटल एसोसिएशन (एआईएसबीए) ने सरकार से भारत में घटिया और सस्ते स्टील 'वैक्यूम फ्लास्क' के आयात को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। उद्योग निकाय ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि चीन और अन्य देशों से वैक्यूम स्टील की बोतलों का आयात बढ़ रहा है। देश में 2019-20 से 2022-23 तक उत्पाद के आयात में 35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

एआईएसबीए के कोषाध्यक्ष भरत अग्रवाल ने सरकार को बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) के आदेश के तहत आयात छूट का विस्तार नहीं करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आदेशानुसार " 14 जनवरी आखिरी तारीख है जब आयात किए जाने वाले उत्पादों को बीआईएस द्वारा अनुमोदित किया जाना है।"

उन्होंने कहा कि उत्पाद बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए सरकार को स्थानीय निर्माताओं के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं को देखते हुए छूट नहीं बढ़ानी चाहिए, जिन्होंने (स्थानीय निर्माताओं) भारतीय बाजार में लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अग्रवाल ने कहा, " हम अपनी वास्तविक विनिर्माण लागत से कम कीमत पर भारत में आने वाले आयात की चुनौतियों के कारण अपनी 100 प्रतिशत क्षमता का इस्तेमाल करने में भी असमर्थ हैं। हमारे पास प्रति दिन 1,90,000 इकाई की स्थापित क्षमता है और हम प्रति दिन 38,000 इकाई का उत्पादन करते हैं, जो निर्धारित क्षमता का 20 प्रतिशत है।" उद्योग निकाय के अनुसार, सरकारी हस्तक्षेप से घरेलू कंपनियों को सालाना आधार पर अपनी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी और छह महीने के भीतर रोजगार के 25,000 अवसर उत्पन्न होंगे।

वर्तमान में उद्योग करीब 9,500 लोगों को रोजगार देता है। उन्होंने कहा, " हम कनाडा, रूस जैसे ठंडे इलाकों और ब्राजील जैसे गर्म स्थानों वाले अपतटीय बाजारों की भी पहचान कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि 204 ग्रेड की आयातित स्टील बोतलों के विपरीत, भारत में निर्मित बोतलें बीआईएस अनुमोदित 304 ग्रेड की हैं, जो पानी के तापमान को 12-18 घंटे तक समान रखती हैं।

खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में चार महीने के उच्च स्तर पर

खाद्य वस्तुओं के दाम बढने से खुदरा मुद्रास्फीति पिछले महीने बढ़कर चार महीनों के उच्च स्तर 5.69 प्रतिशत पर पहुंच गयी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति नवंबर, 2023 में 5.55 प्रतिशत और दिसंबर, 2022 में 5.72 प्रतिशत रही थी। इससे पहले, बीते साल अगस्त में मुद्रास्फीति 6.83 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गयी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर महीने में बढकर 9.53 प्रतिशत हो गयी हो गयी जो इससे पिछले महीने 8.7 प्रतिशत और एक साल पहले के इसी महीने में 4.9 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति समीक्षा पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। उसे मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

औद्योगिक उत्पादन बढ़ा : देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर महीने में विनिर्माण क्षेत्र में नरमी आने से 2.4 प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि एक साल पहले इसी समान महीने में यह 7.6 प्रतिशत बढ़ा था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के संदर्भ में मापा जाने वाला कारखाना उत्पादन नवंबर 2023 में 2.4 प्रतिशत बढ़ गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की तरफ से जारी आंकड़े बताते हैं कि नवंबर, 2023 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 1.2 प्रतिशत बढ़ा जबकि खनन क्षेत्र का उत्पादन 6.8 प्रतिशत बढ़ गया। वहीं आलोच्य अवधि में देश का बिजली उत्पादन 5.8 प्रतिशत बढ़ गया। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में देश का औद्योगिक उत्पादन 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड से बिजली की मांग रिकॉर्ड 5,701 मेगावाट पर

राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार सुबह कड़ाके की ठंड के साथ बिजली की मांग अबतक के रिकॉर्ड स्तर 5,701 मेगावाट पर पहुंच गयी। दिल्ली के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के वास्तविक समय पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पूर्वाह्न 10.49 बजे बिजली की अधिकतम मांग 5,701 मेगावाट रही। बिजली वितरण कंपनियों ने इस सर्दी में बिजली की मांग 5,760 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना जताई है।

इससे पहले जाड़े में दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग पिछले बुधवार को 5,611 मेगावाट रही थी। वितरण कंपनियों के अधिकारियों के अनुसार, बिजली की मांग बढने का मुख्य कारण सर्दी के साथ घरों को गर्म रखने वाले उपकरणों के लिए बिजली की मांग बढना है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह पिछले पांच साल में इस दिन का न्यूनतम तापमान है। बिजली वितरण कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि एक जनवरी से दिल्ली की अधिकतम बिजली मांग लगभग 11 प्रतिशत बढ चुकी है।

टाटा पावर-दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टाटा पॉवर-डीडीएल) ने बयान में कहा कि उत्तर पश्चिमी भारत में सर्दी बढने के साथ वितरण कंपनी ने बिना किसी बिजली आपूर्ति व्यवधान और नेटवर्क बाधा के 1,774 मेगावाट की अबतक की अधिकतम बिजली मांग को पूरा किया।

बीएसईएस के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी की वितरण कंपनियों बीआरपीएल (बीएसईएस राजधानी पावर लि.) और बीवाईपीएल (बीएसईएस यमुना पावर लि.) ने अपने-अपने क्षेत्रों में क्रमशः 2,484 मेगावाट और 1,185 मेगावाट बिजली मांग को पूरा किया।

उन्होंने कहा कि बीएसईएस क्षेत्रों में 3,600 मेगावाट से अधिक की अधिकतम शीतकालीन बिजली मांग का 60 प्रतिशत तक हरित ऊर्जा से पूरा किया जाएगा। के उत्तरी भाग में बिजली वितरण करने वाली टाटा पावर-डीडीएल ने कहा कि सर्दी के इस मौसम में बिजली की अधिकतम मांग 1,800 मेगावाट पार करने का अनुमान। इसके लिए लम्बी अवधि के समझौतों किए गये हैं। कंपनी के पास दीर्घकालीन स्त्रोतों से पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध है, जो अधिकतम मांग को प्रभावी ढंग से पूरा करने में मददगार होंगे।

यात्री वाहनों की बिक्री 40 लाख के पार

घरेलू यात्री वाहन की थोक बिक्री 2023 में 40 लाख के पार पहुंच गई। उपयोग वाहनों की मजबूत मांग के दम पर मांग में उछाल आया। वाहन कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के शुक्रवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों से डीलर तक कुल यात्री वाहन की आपूर्ति 2023 में आठ प्रतिशत बढकर 41,01,600 इकाई रही। बीते वर्ष 2022 में यह 37,92,444 इकाई थी।

इस दौरान यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 22.4 प्रतिशत बढकर 23,53,605 इकाई हो गई, जो 2022 में 19,22,805 इकाई थी। वैन की आपूर्ति 2022 में 1,32,468 इकाइयों की तुलना में 2023 में बढकर 1,46,122 इकाई हो गई। हालांकि, यात्री कार की थोक बिक्री 2022 में 17,37,171 इकाइयों से आठ प्रतिशत कम घटकर 16,01,873 इकाई रह गई। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में यात्री वाहन की थोक बिक्री आठ प्रतिशत बढकर 10,12,285 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,34,955 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की 2023 में आपूर्ति नौ प्रतिशत बढकर 1,70,75,160 इकाई हो गई, जो 2022 में 1,56,47,973 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहन की आपूर्ति 2023 में 9,78,385 इकाई रही, जो 2022 में 9,33,396 इकाई थी।

इसी तरह तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री 6,80,550 इकाई हो गई, जो 2022 में 4,18,510 इकाई थी। सभी खंडों में बिक्री 2023 में 10 प्रतिशत बढकर 2,28,36,604 इकाई हो गई, जो 2022 में 2,07,92,824 इकाई थी।

सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि 2023 मोटर वाहन क्षेत्र के लिए काफी संतोषजनक साबित हुआ है। यात्री वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और दोपहिया वाहनों ने एकल अंक में वृद्धि दर्ज की गयी है, जबकि तिपहिया वाहनों ने अच्छी वापसी की है। अग्रवाल ने कहा कि यूटिलिटी वाहन की बिक्री अब यात्री वाहन खंड में कुल बिक्री का 62 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा, "मोटर वाहन उद्योग की वृद्धि की गति वर्ष 2024 में भी जारी रहेगी।"

कच्चा पाम तेल आयात 16 प्रतिशत घटा : एसईए

कच्चे एवं रिफाइंड पाम तेल की खेप घटने से दिसंबर महीने में भारत का खाद्य तेल आयात सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 13.07 लाख टन रह गया। उद्योग संगठन 'सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एसईए) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य तेलों का आयात पिछले साल दिसंबर में घटकर 13,07,686 टन रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 15,55,780 टन था।

खाद्य तेलों के खंड में कच्चे पाम तेल का आयात 8,43,849 टन से घटकर 6,20,020 टन हो गया जबकि रिफाइंड पामोलीन की आवक 2,56,398 टन से मामूली गिरावट के साथ 2,51,667 टन रही। हालांकि समीक्षाधीन अवधि में कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात 1,94,009 टन से बढकर 2,60,850 टन हो गया।

गैर-खाद्य तेल का आयात दिसंबर, 2022 के 10,349 टन से घटकर पिछले महीने 4,000 टन रह गया। एसईए ने कहा कि दिसंबर, 2023 में वनस्पति तेलों (खाद्य तेल और गैर-खाद्य तेल) का आयात एक साल पहले के 15,66,129 टन से 16 प्रतिशत घटकर 13,11,686 टन हो गया। तेल विपणन वर्ष 2023-24 के पहले दो महीनों में वनस्पति तेलों का कुल आयात 21 प्रतिशत घटकर 24,72,276 टन रह गया जबकि इसके एक साल पहले की समान अवधि में यह 31,11,669 टन था। तेल विपणन वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक चलता है। इस दौरान खाद्य तेलों का आयात 30,84,540 टन से घटकर 24,55,778 टन रहा जबकि अखाद्य तेलों का आयात 27,129 टन से घटकर 16,498 टन हो गया।

डॉक्टर सैफुद्दीन कचलू -जिसके समर्थन में हजारों हजारों निहत्थे लोगों ने जलियांवाला बाग में गोलियां खाई।

डॉक्टर सैफुद्दीन कचलू 15 जनवरी 1888 ई.
में अमृतसर पंजाब में पैदा हुए उनके वालिद का नाम अज़ीज़ुद्दीन कचलू था और यह कशमीरी थे। उनका ज़ाफ़रान और पशीमना का बिज़नेस था। उनके खानदान का शिजरा कचलू ब्रह्मणों से मिलता है। यह लोग पहले बारह मूला से तअल्लुक रखते थे बाद में तिजारत (व्यापार) के सिलसिले में अमृतसर मैं आकर आबाद हो गये। उनका बचपन अमृतसर में गुज़रा और इब्तिदाई तालीम (प्रारम्भिक शिक्षा) इस्लामिया हाई स्कूल अमृतसर पंजाब से हासिल की इसके बाद बी.ए. की डिग्री उन्होंने कैमबृज यूनिवर्सिटी लन्दन से हासिल की और पी.एच.डी. जर्मन यूनिवर्सिटी से। तालीम हासिल करने के बाद उन्होंने वकालत की प्रैक्टिस अमृतसर में शुरू की।वकालत के साथ ही यह महात्मा गाँधी के साथ आज़ादी की मुहिम में जुट गये यह अमृतसर म्यूनिसपल के कमिशनर भी रहे। लेकिन महात्मा गाँधी के अद् में ताआवुन नॉन काॅआपरेटिव मूवमेंट के बाद उन्होंने अपना सारा काम छोड़ दिया और पूरी तरह से आज़ादी की तहरीक में जुट गये। यह मौलाना मुहम्मद अली जौहर के साथ ख़िलाफत कमेटी से भी जुड़े उनको राॅलेट एक्ट के तहत जब महात्मा गाँधी के साथ गिरफ्तार किया गया। जिस में डॉक्टर सत्यापाल भी थे तब हिन्दुस्तान ने उन्हें जाना कि एक और जंगजू जो कशमीरी मुसलमान है आज़ादी की जंग में शरीक हो गया है।पहले मैं बता दूँ कि राॅलेट एक्ट है किया? अंग्रेज़ों की कैबिनेट ने 10 मार्च 1919 ई. एक्ट लन्दन में पास किया था।

उसके तहत कहीं भी फौरन एमजेन्सी लगाई जा सकती थी और किसी भी लीडर या किसी ऐसे शख्स को जो अंग्रेज़ों की सालमीयत के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाए उसे बेगैर मुक़द्दमा चलाएं दो साल तक जेल में रखा जा सकता था। और इसी एक्ट की मुखालिफत करते हुए महात्मा गाँधी, डॉक्टर सैफुद्दीन किचलू और डॉक्टर सत्यापाल ने जलियाँवाला बाग में एक जलसा मुन्अकिद किया था जिस में जनरल डायर ने अन्धा धुन गोली चलवाई और तीन हज़ार आदमी शहीद हो गये। बाद में सरदार उधम सिंह ने जनरल डायर को लन्दन में अपनी तीन गोलियों से भून दिया।डॉक्टर किचलू पहले पंजाब काँग्रेस कमेटी के सदर रहे बाद में ऑल इंडिया काँग्रेस कमेटी के जनरल सिक्रेट्री 1924 ई. में बन गये। यह 1929 ई. से लेकर 1931 ई. तक काँग्रेस की इस्तक्बालिया के चियरमैन रहे। यह इस्तक्बालिया कमेटी लाहौर में बनी और यहीं पर हिन्दुस्तान की आज़ादी के मुसव्वदा में अद् में तआवुन नाॅन काॅआपरेटिव मूवमेंट की अपील हुई जो पूरे हिन्दुस्तान में फैल गई।डॉक्टर किचलू ने नौजवान भारत सभा बनाई जिस में हिन्दुस्तान के हज़ारों नौजवान शामिल हो गये और हिन्दुस्तान को आज़ाद कराने में जुट गये। यह जामिया मिल्लिया इस्लामिया के फाउण्डर मिम्बर भी रहे। उन्होंने उर्दू में एक रिसाला भी निकाला जिसका नाम था ₹तन्ज़ीम₹ यह खास कर मुसलमानों और आम हिन्दुस्तानियों को पस्ती से ऊपर लाने के लिए।डॉक्टर कचलू हिन्दू मुस्लिम इत्तिहाद के ज़बरदस्त हामी थे। जब काँग्रेस कमेटी में मुल्क को बाटने की बात चली तो यह बिखर गये और काँग्रेस से अलग होने की धमकी दे डाली।

यह बात सच है कि मुस्लिम को अलग पाकिस्तान चाहिए था और यह भी बात सच है कि काँग्रेस में भी ऐसे लोग थे जो चाहते थे कि उन मुसलमानों को कुछ देकर अलग कर दिया जाए। उसमें जवाहर लाल नेहरू भी थे। जब अंग्रेज़ों ने हिन्दुस्तान को आज़ादी नहीं बल्कि खुद मुख्तारी दी। या इक्तिदार का बटवारा किया तो उस मुल्क को दो हिस्सा में बांट दिया गया यानी वह अपनी चाल चल गये। अगर वह इक्तिदार (सत्ता) का तबादला सिर्फ हिन्दुस्तान को देते और बटवारा नहीं करते तो शायद यह लीडरान बटवारा नहीं कर पाते। यह तो लन्दन ही में पास हो गया कि इक़्तिदार (इक़्तिदार) दो हिस्सों में बांट के दिया जाए।जब हिन्दुस्तान का बटवारा हुआ तो डॉक्टर सैफुद्दीन कचलू का घर इंगाइयों ने जला दिया और उन्हें अपने बाल बच्चों को लेकर अमृतसर से भागना पड़ा। फिर यह दिल्ली आ गये क्योंकि अमृतसर से सारे मुसलमान भाग गये या कत्ल कर दिए गये।यह दिल्ली में 9 अक्तूबर 1963 ई. को इंतिकाल कर गये। उनका एक ही लड़का है तौफीक किचलू और पांच बेटियाँ हैं। जिसमें एक लड़की ज़ाहिदा किचूल की शादी मलियालम के म्यूज़िक डायरेक्टर एम.बी. श्री निवासन से हुई है और इस तरह से एक हिन्दू मुस्लिम का अलमबरदार चुप चाप इस दुनिया से चला गया।

संदर्भ-मैं मुसलमान हूं और मेंरा देश है भारतलेखक-कैप्टन जैनुल आबेदीन खां पृष्ठ संख्या 103,105संकलन हसरत अलीशेरपुर जिला मुज़फ़्फ़रनगर उत्तर प्रदेश

हारे हुए उम्मीदवार को ले गई शिवसेना...' मिलिंद देवड़ा के इस्तीफे पर बोले महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले

परिवार का कांग्रेस से 55 साल पुराना रिश्ता एक झटके में खत्म हो गया. कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की भी प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने कहा कि आज से शुरू हो रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से बीजेपी और उसके सहयोगी दल डरे हुए हैं. इसलिए यात्रा से ध्यान भटकाने के लिए ईडी, सीबीआई, आईटी जैसी केंद्रीय एजेंसियां हमारे कुछ साथियों को अपने साथ ले जा रही हैं. 'यात्रा से ध्यान भटकाने की हो रही है कोशिश' कांग्रेस में टूट की आशंका जताने वाली बीजेपी और उसके विभाजनकारी सहयोगी दो बार के पराजित उम्मीदवार को अपने साथ लेकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह सफल नहीं होंगे. यह यात्रा मुंबई में खत्म होगी और यात्रा खत्म होने के साथ ही असंवैधानिक एकनाथ शिंदे और बीजेपी की गठबंधन वाली सरकार का भी अंत हो जाएगा. आज से शुरू हो रही है 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आज से शुरू हो रही है. यात्रा के जरिए बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को लोकसभा चुनाव में विमर्श के केंद्रबिंदु में लाना है. यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों से होकर गुजरेगी. लोकसभा चुनाव से पहले निकाली जा रही यह यात्रा 67 दिन तक चलेगी. राहुल गांधी इस यात्रा के दौरान 6 हजार किलोमीटर का सफर तय करेंगे. यात्रा दो महीने तक चलने वाली है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे. राहुल गांधी की यात्रा से पहले कांग्रेस को लगा बड़ा झटका 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की शुरुआत से पहले ही आज कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. प्रदेश के सीनियर नेता मिलिंद देवड़ा ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की है. देवड़ा के इस्तीफे को लेकर बड़े सवाल भी खड़े होते जा रहे है कि आखिर 55 सालों से देवड़ा परिवार का कांग्रेस से रिश्ता रहा है. अब आखिर उनका कांग्रेस से क्यों मोहभंग हो गया है.

कोहरे की वजह से 900 उड़ानों पर असर, 50 से अधिक निरस्त रहीं; परेशान यात्रियों ने किया हंगामा

संख्या में एयरपोर्ट पर भीड़ जमा हो गई थी। व्यवस्थाएं चरमराने से परेशान यात्री यहां वहां भटकने पर मजबूर हुए। मिलान की फ्लाइट निरस्त, यात्रियों की शिकायत दोपहर दो बजे मिलान की फ्लाइट अचानक निरस्त कर दी गई। यात्रियों से बार-बार यही कहा गया कि दूसरी फ्लाइट से भेजेंगे। लेकिन शाम 6 बजे यात्रियों से यह कह दिया गया कि कोई फ्लाइट नही है, लिहाजा आप सभी एयरपोर्ट से बाहर चले जाएं। यात्री सुधीर चड्ढा ने अमर उजाला को बताया कि सिक्योरिटी स्टाफ ने जबरन बाहर जाने को मजबूर किया। एयर इंडिया वालों ने किसी अन्य विमान से मिलान भेजने का आश्वासन तक नहीं दिया। हर घंटे कहते रहे कि दूसरी फ्लाइट से भेजेंगे। उन्होंने बताया कि रात करीब नौ बजे 200 यात्रियों को होटल ले जाने की बात कहते हुए एयरपोर्ट के बाहर बस में बैठा दिया गया।

पृष्ठ 1/8 का शेष

कांग्रेस छोड़कर शिवसेना में

बोलना है। देवड़ा यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि अगर पीएम कल कांग्रेस की तारीफ करें और कह दें कि कांग्रेस बहुत अच्छी पार्टी तो इसका भी विरोध करेंगे। शिवसेना में शामिल होने के बाद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि ये मेरे लिए बेहद भावुक दिन है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कांग्रेस छोड़ दूंगा। आज मैं शिव सेना में शामिल हो गया। देवड़ा ने कहा कि मुझे सुबह से बहुत सारे फोन आ रहे हैं कि मैंने कांग्रेस पार्टी से अपने परिवार का 55 साल पुराना रिश्ता क्यों तोड़ा? मैं सबसे चुनौतीपूर्ण दशक के दौरान पार्टी के प्रति वफादार रहा। यदि कांग्रेस और यूबीटी ने रचनात्मक, सकारात्मक सुझावों और योग्यता, क्षमता को महत्व दिया होता, तो आज एकनाथ शिंदे और मैं यहां नहीं होते। एकनाथ शिंदे को एक बड़ा फैसला लेना पड़ा, मुझे एक बड़ा निर्णय लेना पड़ा। मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने और शिवसेना के मौके पर सीएम एकनाथ शिंदे से उद्धव ठाकरे पर वार किया। सीएम शिंदे ने कि आज आपके (मिलिंद देवड़ा) मन में जो भावनाएं हैं, वही भावनाएं डेढ़ साल पहले मेरे मन में थीं। जब कोई निर्णय लेना होता है तो ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं। मिलिंद देवड़ा के शिवसेना के टिकट पर मुंबई दक्षिण की सीट से लड़ने की उम्मीद है। वे 2004 और 2009 में इस सीट से जीत हासिल कर चुके हैं। इससे पहले उनके पिता मुरली देवड़ा भी इस सीट का चार बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। मिलिंद देवड़ा (Milind Deora) ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पार्टी छोड़ने की जानकारी दी हैं देवड़ा ने लिखा है कि आज मेरी राजनीतिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन हुआ। कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से मैंने अपना त्यागपत्र दे दिया है। कांग्रेस पार्टी के साथ मेरे परिवार का 55 साल पुराना रिश्ता ख़त्म हो गया है। मैं सालों से उनके अटूट समर्थन के लिए सभी नेताओं, सहकर्मियों और कार्यकर्ताओं का आभारी हूं। मिलिंद देवड़ा (Milind Deora) ने अपने पिता मुरली देवड़ा के जन्म दिन के तीन दिन बाद पार्टी छोड़ी है। 10 जनवरी को उनके पिता का जन्मदिन था। पिछले दिनों मुंबई की मुंबई साउथ लोकसभा सीट पर शिवसेना (उद्धव) की तरफ से दावेदारी किए जाने पर देवड़ा ने आपत्ति जताई थी। ऐसी चर्चा है कि वे शिवसेना (एकनाथ शिंदे) की तरफ से इसी पर चुनाव लड़ सकते हैं।

यह तो ट्रे लर है,

साल पहले मेरी भी भवना थी.' सीएम शिंदे ने कहा कि ये तो ट्रेलर है पिक्चर अभी बाकी है. एकनाथ शिंदे ने आगे कहा, 'परिस्थिति ऐसी निर्माण होती है कि आपको ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं. मैं डॉक्टर नहीं हूं लेकिन डेढ़ साल पहले मैंने पूरा ऑपरेशन कर दिया. एक स्टिच भी नहीं करना पड़ा और ऑपरेशन हो गया. मुरली देवड़ा का इस देश और इस राज्य में खास योगदान है. एक पार्षद भी पार्टी बदलने से पहले 10 बार सोचता है. मैं तो मंत्री था. इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कहूंगा ये तो ट्रेलर है पिक्चर अभी बाकी है." विपक्ष के तंज पर बोले शिंदे- मैं समय बर्बाद नहीं करता सीएम शिंदे ने आगे तंज भरे लहजे में कहा, "कुछ लोग कहते हैं कि इन लोगों को साफ करो. लेकिन जो रास्ते पर काम कर रहे हैं उनको जनता क्यों साफ करेगी. जो घर पर बैठे हैं उनको साफ करेगी. डेढ़ साल में एक भी छुट्टी नहीं लिया है. गांव भी जाता हूं वहां भी जनता दरबार लगता है. मैं किसान का बेटा हूं. मेरे पैर अपने आप खेत की तरफ बढ़ने लगते हैं. कुछ लोग कहते हैं कि ये कैसा किसान है जो हेलीकॉप्टर से आता है. उनको मेरा जवाब है कि मैं मुख्यमंत्री हूं. मैं समय बर्बाद नहीं कर सकता. उस समय में मैं हजारों विकास की फाइल पर हस्ताक्षर कर सकता हूं." बता दें कि मिलिंद देवड़ा ने 20 साल पहले 2004 में कांग्रेस जॉइन की थी और वह यूपीए की सरकार में केंद्र में मंत्री भी रहे थे. लेकिन उन्होंने रविवार को यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि यह कांग्रेस अब पहले वाली कांग्रेस नहीं रही.

मीरा-भाईंदर सेक्टर 1 से 4 में

पर बात हुई थी जिस मे सवाल उठाया गया क़ी अगर 117 फेरी वाले अधिकृत है तो 8200 फेरीवाले फिर सर्वे मे कैसे आये?, सभी फेरी वालो को सरकार क़ी और से प्रधानमंत्री स्वनिधि के तहत कर्ज कैसे दिया गया, जिस पर प्रशासन ने कहा क़ी कर्ज देकर सरकार ने गलती क़ी है, फेरी वालों का व्यववस्य बंद होने से कर्ज के हफ्ते भर नहीं पा रहे है, मनपा क़ानून क़ी धज्जिया उड़ा रही है, कोर्ट के आदेश को नजर अंदाज कर रही है अबतक भी टाउन वेंडिंग कमेटी नहीं बनाई है । और शहर मे अबतक फेरी वाला ना फेरी वाला क्षेत्र घोषित नहीं किया गया है।आज भी शहर के प्रमुख स्थल खासकर मीरा रोड रेलवे स्टेशन, भायंदर ईस्ट वेस्ट रेलवे स्टेशन परिसर बीपी रोड, जैसे परिसर मे फेरीवाले व्यवसाय कर रहे है सिर्फ दिक्क़त शांति नगर मे क्यों हो रही है। जो नियम शांती नगर फेरी वाले के लिए लगया है वही नियम शहर के सभी फेरी वालो पर लगाया जाना चाहिए अगर वह गलत है तो उनपर पर भी कार्यवाही करना चाहिए,इस तरह क़ी मांग क़ी गयी है।नेवे ने आरोप लगाया क़ी पुलिस और मनपा को फेरी वालो से हफ्ता लेने के बाद भी तकलीफ दे रही है। विधायक गीता जैन गरीबो को छोड़कर सिर्फ अमीर दूकानदारों को साथ दे रही है। चंद्रकांत नेवे ने कहा क़ी अगर शांती नगर फेरी वालो का मसला हल नहीं किया गया तो आने वाले 15 दिन मे कड़ा आंदोलन करने वाले है।

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई
CITY NEWS MUMBAI
सोमवार, 15 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

कोहरे की वजह से 900 उड़ानों पर असर, 50 से अधिक निरस्त रहीं; परेशान यात्रियों ने किया हंगामा

उत्तर भारत में घने कोहरे ने यातायात के संसाधनों पर पहरा लगा दिया है। दिल्ली एयरपोर्ट से संचालित होने वाली शायद ही कोई फ्लाइट रही, जो रविवार को अपने तय समय से संचालित हुई। कोहरे की चादर में लिपटे रनवे पर से उड़ान सेवा करीब चार घंटे तक बाधित रही। हालांकि इस दौरान 15 फ्लाइट की लैंडिंग हुई, लेकिन इसके लिए भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। रनवे को चार बजे से ही घने कोहरे ने अपने गिरफ्त में ले लिया। यह स्थिति सुबह 10 बजे तक रही। लिहाजा छह घंटे तक रनवे से कोई भी विमान उड़ान नहीं भर सका। इस वजह से 900 से अधिक घरेलू व अंतरराष्ट्रीय फ्लाइटों के संचालन पर असर दिखा, जो 6-8 घंटे की देरी से संचालित हुई। 50 से अधिक फ्लाइट निरस्त रहीं तो 10 से अधिक फ्लाइट को दिल्ली के रनवे पर उतरने की इजाजत नहीं दी गई। उन्हें जयपुर के लिए डायवर्ट कर दिया गया।

कोहरे का कहर लगातार जारी है। रविवार के दिन कोहरे ने सबसे ज्यादा असर दिखाया। रनवे पर दृश्यता 125 मीटर से भी कम रही है। सुबह चार बजे से ही रनवे घने कोहरे की चपेट में आना शुरू हो गया था। यह स्थिति सुबह के 10 बजे तक रहा। इस वजह से अन्य स्थानों से आने वाली 250 से अधिक घरेलू फ्लाइट देरी से पहुंचीं तो इतनी ही उड़ानें देरी से संचालित हुईं। अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट की भी यही स्थिति रही। आने-जाने वाले करीब 225 विमान देरी से संचालित हुए। इस वजह से यात्रियों को तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ा। वह एयरपोर्ट के पूछताछ केंद्र से लेकर अन्य अधिकारियों से संपर्क करते रहे। लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका।

विमान रद्द होने से नाराज यात्रियों ने काटा हंगामा

विमान संचालन में लगातार देरी की वजह से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। कई विमान रद्द होने की वजह से यात्रियों ने हंगामा भी किया। एयर इंडिया के एक विमान के रद्द होने पर यात्रियों ने दूसरे विमान के टिकट की मांग की तो उन्हें मौसम का हवाला देकर लौटा दिया गया। लगातार विमानों के देरी से संचालित होने की वजह से बड़ी शेष पृष्ठ 7 पर

नवी मुंबई एयरपोर्ट का 60 फीसदी काम पूरा, कब शुरू होगी हवाई सेवा, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया सब कुछ

नवी मुंबईः नवी मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट से 31 मार्च 2025 को पहली उड़ान भरी जाएगी। यह बात केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कही। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट का काम 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इसको लेकर समीक्षा बैठक की गई है। एयरपोर्ट को सड़क मार्ग के साथ ही रेल, मेट्रो और वॉटर ट्रांसपोर्ट से जोड़ा जाएगा। यह पूरी तरह से ग्रीन एयरपोर्ट होगा। एयरपोर्ट प्रॉजेक्ट को पांच चरणों में बांटा गया है। इसकी सालाना यात्री क्षमता 9 करोड़ होगी। सिंधिया ने कहा कि पहले चरण की सालाना क्षमता दो करोड़ होगी। पांच चरण पूरे होने के बाद यहां चार टर्मिनल और दो रनवे होंगे। उन्होंने दावा किया कि एयरपोर्ट देश का पहला एयरपोर्ट होगा, जो मेट्रो से जुड़ेगा। 5 साल में होंगे 200 एयरपोर्ट सिंधिया ने बताया कि 60 साल पहले तक देश में 64 एयरपोर्ट थे, लेकिन मोदी सरकार में नए 74 एयरपोर्ट बने हैं। आने वाले 5 साल में यह संख्या 200 के पार होगी।

कर्ज न चुकाने पर एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में साहूकार गिरफ्तार

ठाणे। पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 61 वर्षीय एक व्यक्ति को पीएफ ऋण चुकाने के लिए परेशान करके आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एक साहूकार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना पिछले महीने भिवंडी तालुका के काल्हेर में हुई थी। नारपोली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, पीड़ित अशोक शंकर पाटिल ने यशवंत गायकवाड़ से पैसे उधार लिए थे। बाद में, गायकवाड़ ने पाटिल पर अपने पैसे वापस मांगने के लिए दबाव डालना और धमकी देना शुरू कर दिया।

उन्होंने बताया कि लगातार दबाव से तंग आकर पाटिल ने 7 दिसंबर, 2023 को काल्हेर में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि गायकवाड़ के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पासपोर्ट में गलत जन्म तारीख के उल्लेख पर दर्ज एफआईआर को किया रद्द

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने पासपोर्ट में गलत जन्म तारीख दर्ज कराने के चलते आपराधिक मामले का सामना कर रही युवती को राहत दी है। हाई कोर्ट ने साफ किया है कि 7 से 12 साल के बच्चे द्वारा किया गया कोई भी कार्य अपराध नहीं हो सकता है, क्योंकि इस उम्र में बच्चे के पास खुद के कार्य और उसके परिणाम को समझने की पर्याप्त परिपक्वता नहीं होती है। आईपीसी की धारा 83 में यह स्पष्ट किया गया है। केस से जुड़ी युवती ने 2002 में जब पासपोर्ट के लिए पहली अर्जी दी थी, उस समय उसकी उम्र 12 साल से कम थी। सरकारी वकील ने रिकार्ड में ऐसी कोई सामग्री नहीं पेश की है, जो यह ज्ञात कराए कि तत्कालीन समय में युवती ने खुद के कार्य को लेकर पर्याप्त परिपक्वता हासिल कर ली थी। युवती ने गलत जन्म तारीख से जुड़े पासपोर्ट का इस्तेमाल नहीं किया है। प्रथम दृष्टया आरोपी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है, ऐसे में युवती के खिलाफ 13 साल पहले दर्ज एफआईआर को जारी रखना पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस श्याम चंडक की बेंच ने यह मत व्यक्त करते युवती के खिलाफ वरली पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। 'ट्रैवल एजेंट ने दी थी पासपोर्ट की पहली अर्जी' 2016 में युवती ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। तब कोर्ट ने उसे अंतरिम राहत दी थी। युवती के मुताबिक, ट्रैवल एजेंट ने पहली बार उसके पासपोर्ट के लिए अर्जी दी थी। तब पासपोर्ट में उसकी जन्म तारीख 22 अप्रैल 1991 दर्ज हुई थी।

पहले पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने के बाद युवती ने जनवरी 2009 में नए पासपोर्ट के लिए अर्जी दी। इसमें जन्म तारीख 22 दिसंबर 1990 दर्ज कराई। यह युवती की असली जन्म तारीख थी। मगर पासपोर्ट कार्यालय ने केस की पड़ताल करने के बाद युवती को नोटिस जारी किया और एफआईआर दर्ज कराई

हारे हुए उम्मीदवार को ले गई शिवसेना...' मिलिंद देवड़ा के इस्तीफे पर बोले महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले

महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार 14 जनवरी को बड़ा तूफान आया जब कांग्रेस के दिग्गज नेता माने जाने वाले मिलिंद देवड़ा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया. आज ही मिलिंद देवड़ा सीएम एकनाश शिंदे की शिवसेना जॉइन करने वाले हैं. अब इसको लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की प्रतिक्रिया सामने आई है. नाराजगी जताते हुए नाना पटोले ने कहा कि बीजेपी और उसके विभाजनकारी सहयोगी दल (शिवसेना शिंदे गुट) दो बार के पराजित उम्मीदवार (मिलिंद देवड़ा) को अपने साथ लेकर जा रहे हैं ताकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके. कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम् ने बताई अपनी ही पार्टी की गलती वहीं, मिलिंद देवड़ा के इस्तीफे पर कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम् की भी प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने इसमें कांग्रेस की ही गलती बताई और कहा कि पार्टी के कुछ लोगों को लगता है कि कांग्रेस पर उन्हीं का कब्जा है. ये लोग सच नहीं सुनना चाहते. जो सच बोलता भी है, उसे इस्तीफा देना पड़ता है. मैं प्रार्थना करूंगा कि कुछ लोगों के गलती की सजा पूरी पार्टी को न मिले.

वहीं, प्रमोद कृष्णम् ने यह तक कह दिया कि लोग कांग्रेस को नहीं छोड़ना चाहते, बल्कि गांधी परिवार को छोड़ना चाहते हैं. इसलिए उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ रही है.

राहुल गांधी की यात्रा से पहले कांग्रेस को झटका गौरतलब है कि रविवार 14 जनवरी से राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आरंभ होने जा रही है. इससे पहले ही कांग्रेस को बड़ा झटका लग गया है. वरिष्ठ नेता मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस का हाथ छोड़ दिया और इसी के साथ देवड़ा शेष पृष्ठ 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486